समृद्धशाली इतिहास को सामने लाएं इंजीनियरिंग के छात्र

उत्तराखंड तकनीकी विवि के सातवें दीक्षा समारोह में राज्यपाल ने 54 मेधावियों को स्वर्ण व 51 को प्रदान किए रजत पदक

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के सातवें दीक्षा समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने स्नातक व परास्नातक के 54 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक व 51 को रजत पदक से सम्मानित किया। साथ ही 59 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से नवाजा। स्वर्ण पदक प्राप्त करने में छात्राएं की संख्या छात्रों से अधिक रही। महिला प्रौद्योगिकी संस्थान (डब्ल्यूआइटी) से बीटेक इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग की छात्रा हर्षिता शर्मा ने विश्वविद्यालय टाप किया, जिन्हें विनोद देवी अग्रवाल मेमोरियल गोल्ड मेडल से भी सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन एस सोमनाथ को डी-लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया, जिसे एस सोमनाथ के प्रतिनिधि ने ग्रहण किया। इसके अलावा आइआइटी कानपुर से सेवानिवृत्त प्रोफेसर पद्मश्री एचसी वर्मा को डीएससी की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। दीक्षा समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र से जुड़े युवा, विद्वान, शिक्षण संस्थान हमारे अतीत के समृद्धशाली इतिहास को भी सामने लाएं। उन्होंने कहा कि इतिहास में एक महान योद्धा और विकास के पुरोधा के रूप में पहचान रखने वाले वीर माधो सिंह भंडारी, जिनके नाम पर इस विश्वविद्यालय का नामकरण हुआ है, उन्हें नमन करता हूं। राज्यपाल ने कहा कि डिग्री और मेडल अर्जित करने के योग्य बनाने में आपके परिजन, आपके परिश्रम, आपकी दृढ़ता और प्रतिबद्धता का भी बड़ा योगदान है। उन्होंने भगवान बुद्ध की पवित्र वाणि आत्म दीपो भवः अर्थात अपनी रोशनी स्वयं बनो को जीवन में उतारने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि विवि अंग्रेजी और हिंदी के साथ ही संस्कृत भाषा में भी अपनी उपाधियां अंकित कर रहा है। समारोह में अपर तकनीकी शिक्षा सचिव स्वाति भदौरिया, विवि के कुलसचिव प्रो. सत्येंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

इसरो के चेयरमैन ने वीडियो संदेश से दी बधाई: इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ को यूटीयू ने डी-लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। समारोह में एस सोमनाथ तो नहीं पहुंचे, लेकिन उन्होंने अपने वीडियो संदेश में इस उपाधि से सम्मानित करने पर यूटीयू को बधाई दी।

यूटीयू के दीक्षा समारोह में मेडल विजेता छात्रों के साथ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल व कुलपति प्रो ओंकार सिंह • जागरण

रोजगार तलाशने के बजाय स्वरोजगार पर ध्यान दें युवा : सुबोध उनियाल

तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने छात्रों को रोजगार तलाशने के बजाय स्वरोजगार के अवसरों को अपनाने की नसीहत दी। कहा कि दूसरों को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए रोजगार देने वाले इंजीनियर के रूप में खुद को साबित करें। कहा कि हमें प्रतिस्पर्धा के युग में अपनी प्राचीन सभ्यता व संस्कृति को बचाए रखने की ओर भी ध्यान देना होगा। मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार कृत संकल्पित है। कहा कि विवि सीमित संसाधन होने के बावजूद बेहतर कार्य कर रहा है।

पहली बार हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत में दी गई उपाधि

यूटीयू के कुलपति प्रो .ओंकार सिंह ने कहा कि विवि ने इस वर्ष से सभी उपाधियां हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत भाषा में प्रकाशित की हैं। विवि के इस अभिनव प्रयोग से संस्कृत को बढ़ाना मिलेगा। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे सदैव अग्रगामी सोच रखते हुए आगे बढ़ें। साथ ही समय प्रबंधन के साथ कठिन परिश्रम करें। सदैव लक्ष्यों का निर्धारण अपनी क्षमता और अपने दायित्वों के आलोक में करें, जीवन भर धैर्यपूर्वक सुनने और सीखने की अपनी जिज्ञासु प्रवृत्ति को बनाए रखें। दीक्षा समारोह में स्वर्ण, रजत एवं पीएचडी शोधार्थियों के अलावा स्नातक के 6,190 और परास्नातक के 1,948 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।